लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

राष्ट्रपति और राज्यपाल के अभिभाषणों के दौरान गतिरोध पैदा करना उचित संसदीय आचरण नहीं है: लोक सभा अध्यक्ष / DISRUPTION DURING ADDRESSES OF PRESIDENT AND GOVERNOR IS NOT APPROPRIATE PARLIAMENTARY CONDUCT: LOK SABHA SPEAKER

...

सदनों में गिरती हुई मर्यादा, शालीनता और गरिमा बड़ी चिंता का विषय है: लोक सभा अध्यक्ष / DECLINE IN DIGNITY, DECORUM AND DISCIPLINE IN HOUSE IS A MATTER OF GRAVE CONCERN: LOK SABHA SPEAKER

...

नियोजित गतिरोध हमारी संसदीय परंपराओं के अनुकूल नहीं हैं: लोक सभा अध्यक्ष / PLANNED DISRUPTION IS NOT CONDUCIVE TO OUR PARLIAMENTARY TRADITION: LOK SABHA SPEAKER

...

कानून बनाते समय उसके प्रभाव का आँकलन भी आवशयक है: लोक सभा अध्यक्ष /IMPACT OF LEGISLATIONS SHOULD BE EVALUATED AT THE TIME OF MAKING LAWS: LOK SABHA SPEAKER

...

सशक्त लोकतंत्र के निर्माण के लिए जिम्मेदार प्रतिपक्ष अनिवार्य है: लोक सभा अध्यक्ष / STRONG OPPOSITION IS ESSENTIAL FOR DEMOCRACY: LOK SABHA SPEAKER

लोक सभा अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश विधान सभा में 'संसदीय उत्कृष्टता सम्मान' प्रदान किये / LOK SABHA SPEAKER PRESENTS PARLIAMENTARY EXCELLENCE AWARDS AT MADHYA PRADESH LEGISLATURE PREMISES.

...

भोपाल; 9 मार्च, 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज मध्य प्रदेश विधान सभा में 'संसदीय उत्कृष्टता सम्मान' प्रदान करने हेतु आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया और पं. रविशंकर शुक्ल स्मृति सर्वश्रेष्ठ मंत्री सम्मान, श्री सुंदरलाल पटवा सर्वश्रेष्ठ विधायक सम्मान, श्रीमती जमुना देवी स्मृति उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान; श्री माणिकचंद बाजपेई उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान: पं. कुंजीलाल दुबे स्मृति सर्वश्रेष्ठ अधिकारी सम्मान व श्री खं.के. रांगोले स्मृति सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सम्मान प्रदान किये।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि इस विधान सभा का एक गौरवपूर्ण संसदीय इतिहास रहा है और इसकी उच्च संसदीय परंपराओं ने हमेशा देश और राज्य को एक नई दिशा दी है। उन्होंने राज्य के उन सभी पूर्व विधान सभा अध्यक्षों और पूर्व नेताओं का स्मरण किया जिनके योगदान से देश में लोकतंत्र सशक्त हुआ है और लोकतांत्रिक संस्थाएं समृद्ध हुई हैं।

विधान सभा के अध्यक्ष, श्री गिरीश गौतम; मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान और मध्य प्रदेश विधान मंडल के सदस्यगण इस अवसर पर उपस्थित थे.

श्री बिरला ने विचार व्यक्त किया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास एवं भरोसा और अधिक बढ़े, इसके लिए हमें सामूहिकता के साथ मिलकर इन सदनों की मर्यादाओं व परम्पराओं को और मजबूत करना होगा। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि सदनों में गिरती हुई मर्यादा, शालीनता और गरिमा हमारे लिए बड़ी चिंता का विषय है। इस बिषय मे उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल के अभिभाषणों के दौरान भी व्यवधान उत्पन्न करने, सदनों मंे गतिरोध पैदा करने तथा

अभिभाषण के बहिष्कार की प्रवृत्ति बढ़ रही है। यह हमारा उचित संसदीय आचरण नहीं है।

उन्होंने कहा कि विधान मंडलों के माध्यम से हम सरकार की जवाबदेही तय करते हैं और इसके लिए आवश्यक है कि हम इन संस्थाओं को रचनात्मक चर्चा और संवाद का एक केन्द्र बनाएं ताकि इन चर्चाओं और संवाद के माध्यम से हम एक अपेक्षित परिणाम प्राप्त कर सकें। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि प्रतिपक्ष शासन की जवाबदेही तय करे और प्रशासन में पारदर्शिता लाने की भूमिका निभाए। यह विचार व्यक्त करते हुए की लोकतंत्र में प्रतिपक्ष जितना मजबूत होगा शासन उतनी ही जवाबदेही के साथ काम करेगा, उन्होंने कहा की एक सशक्त लोकतंत्र के निर्माण के लिए जिम्मेदार प्रतिपक्ष अनिवार्य है।

यह विचार व्यक्त करते हुए कि कानून बनाते समय सदनों में व्यापक चर्चा हो, उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि जिस जनता के लिए कानून बनाया जाता है, उनसे व्यापक स्तर पर परामर्श हो और जनप्रतिनिधि उनका दृष्टिकोण भी सदन में रखें। उन्होंने विशेष तौर पर कहा की कानून बनाते समय उसके प्रभाव का आँकलन भी हमें करना चाहिए ताकि कानून सकारात्मक बने और उससे जनता का कल्याण हो।

सदन मे मंत्रियों की जबाबदेही पर श्री बिरला ने कहा कि मंत्रिपरिषद् का सदन के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व होता और इसलिए मंत्री को अपने विभागों के साथ साथ सरकार के सभी विभागों की व्यापक जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जब वे सदन में प्रश्नों का उत्तर दें अथवा चर्चा संवाद का जवाब दें, तो व्यापक और वृहत् दृष्टिकोण से वे अपनी बात सदन में रखें ।

श्री बिरला ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि नियोजित तरीके से सदनों में व्यवधान किया जाता है, गतिरोध उत्पन्न किया जाता है, नारेबाजी की जाती है, तख्तियां दिखाई जाती है। उन्होंने कहा कि सदनों में ऐसे नियोजित गतिरोध हमारी

संसदीय परंपराओं के अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने सदस्यों का आवाह्न किया कि वे सदन की मर्यादा का अक्षुण रखे और जनता की अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरने का प्रयास करें।

इस अवसर पर श्री बिरला ने डा. नरोत्तम मिश्र, श्री भूपेंद्र सिंह व श्री जगदीश देवड़ा को पं. रविशंकर शुक्ल स्मृति सर्वश्रेष्ठ मंत्री सम्मान से अलंकृत किया। उन्होंने मप्र विधानसभा में श्रीमती झूमा सोलंकी, श्री यशपाल सिसोदिया, श्री जयवर्धन सिंह व श्री बहादुर सिंह को श्री सुंदरलाल पटवा सर्वश्रेष्ठ विधायक सम्मान से अलंकृत किया। प्रिंट मीडिया के लिए श्री राकेश अग्निहोत्री, श्री धर्मेन्द्र पैगवार को श्रीमती जमुना देवी स्मृति उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान भेंट किए। इसी तरह इलेक्ट्रिोनिक मीडिया के क्षेत्र में श्री प्रवीण दुबे और सुश्री शैफाली पांडे को श्री माणिकचंद बाजपेई उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान से अलंकृत किया।मप्र विधान सभा सचिवालय में उत्कृष्ट कार्य के लिए श्री बिरला ने प्रमुख सचिव श्री एपी सिंह, श्री एसएन गौर, श्री राकेश सोले व श्री आरएन दुबे को पं. कुंजीलाल दुबे स्मृति सर्वश्रेष्ठ अधिकारी सम्मान भेंट किया। श्री प्रवीण जानोरकर, श्री डीलाराम भट्टराई तथा श्री हरभवन अहिरवार को श्री खं.के. रांगोले स्मृति सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सम्मान से अलंकृत किया।

Bhopal, 9 March, 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla presented Parliamentary Excellence Awards in a function held in Madhya Pradesh Legislature premises in Bhopal today. On this occasion, Lok Sabha Speaker presented Pt. Ravi Shankar Shukla Memorial Best Minister Award, Shri Sunderlal Patwa Best MLA Award, Smt. Jamuna Devi Memorial Excellent Journalism Award, Shri Manikchand Vajpayee Outstanding Journalism Award: Pandit Kunjilal Dubey Memorial Best Officer Award and Shri Kh. K. Rangole Memorial Best Employee Award.

Speaking on the occasion, Shri Birla said that Madhya Pradesh Legislative Assembly has a proud parliamentary history and its high parliamentary

traditions have always given a new direction to the country and other States. Remembering former Speakers and former leaders of the State Legislative Assembly, Shri Birla said that their contributions have strengthened democracy and democratic institutions in the country.

Speaker of Madhya Pradesh Legislative Assembly, Shri Girish Gautam; Chief Minister of Madhya Pradesh, Shri Shivraj Singh Chouhan and Members of Madhya Pradesh Legislature graced the occasion.

Emphasizing that trust and confidence of public in democratic institutions should increase further, Lok Sabha Speaker said that collective efforts are needed to strengthen the traditions and dignity of the Houses. Expressing concern on declining dignity, decency and decorum in legislatures, Shri Birla said that such a trend is a matter of grave concern for all of us. Observing that there is an increasing tendency to disrupt Addresses of President and Governors, to boycott the Addresses and to create deadlock in the Houses, Shri Birla said that this behavior is not conducive to our parliamentary tradition.

Mentioning that working of legislatures ensures accountability of the government, Shri Birla said that it is necessary to make these institutions centres of constructive discussion and dialogue so that through these discussions and dialogue Governments could be held accountable. The Speaker stressed that the Opposition should fix the accountability of the Government to ensure transparency in administration. Expressing the view that the stronger the opposition in a democracy, the more responsible the government will work, Shri Birla said that a strong opposition is essential in democracy.

Emphasizing that there should be wide discussion in the Houses while legislating laws and public representatives should highlight their points of

view on the floor of the House, the Speaker suggested that the people for whom laws are made should also be consulted at a wider level. He specifically said that while making a law, we should also assess its impact so that a positive law could be enacted that benefits the people at large.

On accountability of ministers in the House, Shri Birla said that the Council of Ministers is collectively responsible to the House and therefore a minister should have comprehensive knowledge of his / her departments as well as all other departments of the Government. He suggested that while answering questions or replying to discussion in the House, ministers should put their point of view in the House from a broader and wider perspective.

Expressing concern over planned disruption of Houses, deadlocks, shouting slogans and showing placards, Shri Birla said that such planned deadlocks in the Houses are not in accordance with our parliamentary conventions. He called upon the members to uphold the dignity of the House and rise to the expectations of people.

On this occasion, Mr. Birla presented Pt. Ravi Shankar Shukla Smriti Best Minister Award to Dr. Narottam Mishra, Mr. Bhupendra Singh and Mr. Jagdish Deora. He presented Shri Sunderlal Patwa Best MLA Award in Madhya Pradesh Legislative Assembly to Smt. Jhuma Solanki, Shri Yashpal Sisodia, Shri Jaivardhan Singh and Shri Bahadur Singh. Lok Sabha Speaker presented Smt. Jamuna Devi Memorial Outstanding Journalism Award for Print Media to Shri Rakesh Agnihotri and Shri Dharmendra Paigwar. Similarly, Shri Manikchand Vajpayee Award for Excellence in Journalism in the field of electronic media was presented to Shri Praveen Dubey and Ms. Shefali Pandey. Lok Sabha Speaker presented Shri Kunjilal Dubey Memorial Best Officer Award to Principal Secretary, Shri A. P. Singh; Shri S. Gaur, Shri Rakesh Sole and Shri R . N Dubey. Shri Praveen Janorkar, Shri Dilaram Bhattarai and Shri Harbhavan Ahirwar were presented Shri K.K. Rangole Memorial Best Employee Award.